

मैथिली

प्रश्न-पत्र-I

(साहित्य)

समय : तीन घंटा

पूर्णांक : 250

प्रश्न-पत्र विषयक विशेष निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखनेवाक पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकें सावधानीपूर्वक पढ़ि लियऽ

एतय दू खण्ड (Section)मे विभक्त कुल आठ प्रश्न अछि।

अभ्यर्थी कुल पाँच प्रश्नक उत्तर देथि।

प्रश्न संख्या 1 तथा प्रश्न संख्या 5 अनिवार्य अछि। शेष प्रश्नमेसँ तीन प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक खण्ड (Section)सँ कम-सँ-कम एक प्रश्नक चयन आवश्यक अछि।

प्रश्न/खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि।

उत्तर मैथिलीमे लिखब अनिवार्य अछि।

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत। यदि काटल नहि गेल हो, तँ अंशतः लिखित उत्तरकें गणना कयल जायत। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकें अवश्य काटि दी।

MAITHILI

PAPER—I

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

**Please read each of the following instructions carefully
before attempting questions**

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in MAITHILI.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) :

10×5=50

- (a) फॉर्मेशन ऑफ मैथिली लैंग्वेज
- (b) 'अर्थ-संकोच'क प्रकृति
- (c) मैथिली एवं उड़ियाक पारस्परिक सम्बन्ध
- (d) मागधी प्राकृत
- (e) मिथिलाक्षरक महत्त्व

2. (a) भाषाक परिवर्तनशीलता पर विचार करू।

20

(b) भारोपीय भाषा-परिवारक परिचय दिअ।

15

(c) मैथिली सर्वनामक व्यापकता ओ वैशिष्ट्यक उल्लेख करू।

15

3. (a) भाषाक पारिवारिक वर्गीकरण ओ ओकर वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ।

20

(b) मैथिलीक कोनो पाँच गोट बोलीक उदाहरण-सहित परिचय दिअ।

15

(c) मैथिली भाषाक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ।

15

4. (a) मैथिली भाषाक क्षेत्रमे डॉ० ग्रियर्सनक की अवदान अछि, विवेचन करू।

20

(b) मैथिली व्याकरणक समृद्धिक दिशामे पण्डित गोविन्द झाक योगदानक मूल्यांकन करू।

15

(c) भाषा-विज्ञानक ज्ञानक अन्य शास्त्रसँ सम्बन्ध स्थापित करू।

15

SECTION—B

5. निम्नलिखित विषय पर टिप्पणी लिखू (लगभग 150 शब्द धरि) :

10×5=50

- (a) वर्णरत्नाकर
- (b) शंकरदेव
- (c) वैदेही
- (d) जट-जटिन
- (e) डाक-वचनावली

- | | | |
|--------|--|----|
| 6. (a) | मैथिली साहित्यक आदिकालक उपलब्ध सामग्रीसँ परिचय कराउ। | 20 |
| (b) | आसामक 'अंकीयानाट' पर प्रकाश दिअ। | 15 |
| (c) | मैथिली लोकसाहित्यमे ब्रजकिशोर वर्मा 'मणिपद्म'क योगदान पर विचार प्रस्तुत करू। | 15 |
| 7. (a) | “विद्यापतिक प्रभाव मिथिलेधरि सीमित नहि रहल”—एहि उक्तिकेँ पल्लवित करू। | 20 |
| (b) | मनमोहन झा 'करुण रस'क उद्गाता छलाह, प्रतिपादन करू। | 15 |
| (c) | आधुनिक मैथिली उपन्यासक स्थिति पर प्रकाश दिअ। | 15 |
| 8. (a) | महाकाव्यक निष्कर्ष पर मनबोधक 'कृष्णजन्म'क मूल्यांकन करू। | 20 |
| (b) | 'सुंदर-संयोग' नाटकक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ। | 15 |
| (c) | मैथिलीमे पत्र-पत्रिकाक स्थितिक विवेचन करू। | 15 |

★ ★ ★